प्रदेश में 6400 करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर चर्चा

अमर उजाला ब्यूरो

इन्वेस्ट यूपी और डब्ल्यूएमजी सीएक्सओ प्रतिनिधिमंडल के बीच हुआ रणनीतिक संवाद

बायो मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में होना है निवेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निवेश के नए रास्ते खुलते नजर आ रहे हैं। इन्वेस्ट यूपी और डब्ल्यूएमजी सीएक्सओ प्रतिनिधिमंडल के बीच लखनऊ में उच्चस्तरीय रणनीतिक संवाद हुआ। इस दौरान पर्यटन, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी), बायोप्लास्टिक्स, बायो मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में लगभग 6400 करोड़ के प्रस्तावित निवेश पर चर्चा हुई। कई राष्ट्रीय और वैश्विक कंपनियों ने निवेश को लेकर रुचि दिखाई।

लखनऊ में आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डॉ. केवी राजू ने की। उन्होंने उत्तर प्रदेश को वैल्यू फॉर मनी निवेश गंतव्य बताते हुए कहा कि मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेशक अनुकूल नीतियां और एंड-टू-एंड सुविधा राज्य को दीर्घकालिक और स्केलेबल विकास का भरोसेमंद मंच बनाती हैं। डॉ. राजू ने खाद्य प्रसंस्करण, एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी), मत्स्य पालन और विरासत आधारित पर्यटन क्षेत्रों में निवेश संभावनाओं को रेखांकित किया।

संवाद के दौरान एयरोस्पेस एवं रक्षा, कार्यबल प्रबंधन, बायो मैन्युफैक्चरिंग, लग्जरी आतिथ्य, हेल्थकेयर, फिनटेक और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनियों ने अपने विस्तार प्रस्ताव साझा किए। इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों ने राज्य की आर्थिक क्षमता का प्रस्तुतीकरण करते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 30.8 खरब रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि विकास दर 13.2 प्रतिशत और राष्ट्रीय जीडीपी में योगदान 9.2 प्रतिशत है। बैठक में निवेश मित्र सिंगल विंडो सिस्टम के तहत ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों की भी जानकारी दी गई।